।। अंतरी पेटवू ज्ञानज्योत ।।

NORTH MAHARASHTRA UNIVERSITY JALGAON

Syllabus For

S. Y. B. A.

HINDI

(w.e.f.June 2008)

उत्तर महाराष्ट्र विश्वविद्यालय, जलगाँव

(पाठ्यक्रम आरंभ जून 2008)

सूचनाएँ

1) द्वितीय वर्ष कला पाठ्यक्रम हेतु प्रथम वर्ष कला की तरह ही 80+20 पॅटर्न अपनाया गया है ।

2) अंतर्गत 20 अंकों का विभाजन भी प्रथम वर्ष कला के अनुसार ही होगा ।

3) प्रत्येक पेपर के अध्यापन हेतु 90 तासिकाएँ अपेक्षित हैं।

4) हिंदी सामान्य (G-2) के लिए वैकल्पिक पेपर प्रयोजनमूलक हिंदी होगा ।

द्वितीय वर्ष कला –हिंदी सामान्य (G - 2)

उद्देश्य :

1) छात्रों को कहानी विधा से परिचित कराना ।

2) छात्रों को खंडकाव्य विधा से परिचित कराना ।

3) छात्रों में पत्र-लेखन की क्षमता विकसित करना ।

4) छात्रों को समानार्थी एवं विलोमार्थी शब्दों से परिचित कराना ।

5) छात्रों में पल्लवन की क्षमता विकसित करना ।

6) छात्रों में शुध्दलेखन की क्षमता विकसित करना ।

पाठ्यपुस्तके :

1) **प्रतिनिधि कहानियाँ** - संपादक, हिंदी विभाग,एस.एन.डी.टी.
वोमेन्स युनिवर्सिटी, मुंबई
प्रकाशक - जयभारती प्रकाशन,267बी, मायाप्रेस रोड,
मुठ्ठीगंज, इलाहाबाद 211003

इस संकलन की निम्नलिखित कहानियाँ अध्ययन हेतु निर्धारित की गयी है -

1)	उसने कहा था	-	चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2)	गुंडा	-	जयशंकर प्रसाद
3)	पत्नी	-	जैनेन्द्र कुमार
4)	पूस की रात	-	प्रेमचंद
5)	परदा	-	यशपाल
6)	परमात्मा का कुत्ता	-	मोहन राकेश
7)	दूसरे	-	कमलेश्वर

8) जिन्दगी और गुलाब - उषा प्रियंवदा

9) महानगर की मैथिली - सुधा अरोडा

10) सरहद के इस पार - नासिरा शर्मा

2) **शबरी - नरेश मेहता**

प्रकाशक - लोकभारती प्रकाशन ,15-ए, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद -1

अपठित अंश :

क) पत्रलेखन :

1) शुभकामना पत्र : जन्मदिन,दीपावली,नववर्ष के उपलक्ष्य में ।

2) आवेदन - पत्र : नौकरी , छुटटी, शुल्क में रियायत हेतु ।

ख) समानार्थी एवं विलोमार्थी शब्द ।

ग) पल्लवन ।

घ) केन्द्रीय हिंदी निदेशालय की वर्तनी संबंधी नियमावली का ज्ञान ।

संदर्भ ग्रंथ :

1) आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना -डॉ वासुदेवनंदन प्रसाद
प्रकाशक - भारती भवन, इलाहाबाद

2) हिंदी आलेखन एवं टिप्पण - ओमप्रकाश शर्मा
प्रकाशक - सन्मार्ग प्रकाशन , दिल्ली -1

3) देवनागरी लिपि तथा हिंदी वर्तनी का मानकीकरण
प्रकाशक – केन्द्रीय हिंदी निदेशालय , दिल्ली

4) सुबोध हिंदी व्याकरण एवं रचना - वीरेन्द्रकुमार गुप्ता
प्रकाशक – एस. चाँद ॲन्ड कंपनी , दिल्ली

5) मानक हिंदी व्याकरण – डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय
प्रकाशक – विद्या प्रकाशन , कानपुर

6) प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. उर्मिला पाटील
प्रकाशक – अतुल प्रकाशन ,कानपुर

-------------------------------- ooooo -----------------------------

द्वितीय वर्ष कला – प्रयोजनमूलक हिंदी

(हिंदी सामान्य G-2 के लिए वैकल्पिक पेपर)

उद्देश्य :

1) मानक हिंदी और सांवैधानिक हिंदी का परिचय कराना ।
2) कार्यालयीन कार्यव्यवहार एवं पत्रव्यवहार की जानकारी देना ।
3) अनुवाद प्रक्रिया के स्वरूप को समझाना ।
4) संचार एवं मुद्रित माध्यमों में हिंदी भाषा के प्रयोग की जानकारी देना ।
5) साक्षात्कार प्रणाली से परिचित कराना ।

पाठ्यक्रम :

1) मानक हिंदी : हिंदी मानकीकरण के प्रयत्न, मानक हिंदी का स्वरूप और नियमावली का परिचय ।

   हिंदी का सांवैधानिक स्वरूप : अनुच्छेद क्रमांक 343 से 351 का सामान्य ज्ञान। कार्यालयीन हिंदी प्रयोग की समस्याएँ एवं समाधान ।

2) फाइलिंग प्रणाली का ज्ञान : फाइलिंग का स्वरूप, प्रकार, आवश्यकता और विशेषताएँ ।

3) कार्यालयीन कार्यव्यवहार : प्रविष्टि , अनुभाग – डायरी ,मोहर, वितरण, आवती -जावती रजिस्टर, टिप्पण, पत्र का उत्तर प्रेषण , पावती ।

4) कार्यालयीन पत्राचार : कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश, प्रतिवेदन, स्मरणपत्र,परिपत्र, संकल्प, तार, प्रेसनोट ।

5) अनुवाद प्रक्रिया : अनुवाद के सोपान, प्रकार,उद्देश्य, आवश्यकता, समस्याएँ और अनुवादक के गुण ।

6) संचार माध्यम और हिंदी भाषा : श्रव्य और दृश्य माध्यम - रेडिओ दूरदर्शन,सिनेमा,कम्प्युटर(संगणक), इंटरनेट का सामान्य परिचय, माध्यमों की उपयोगिता और हिंदी भाषा प्रयोग ।

7) मुद्रित माध्यम : पत्र, पत्रिका ,पोष्टर,हैंडबिल में हिंदी भाषा प्रयोग ।

8) शब्द संसाधन : अर्थभेदकारी शब्दयुग्म तथा मुहावरों का अर्थ एवं वाक्य में प्रयोग । (नमूना सूची संलग्न)

9) साक्षात्कार (भेटवार्ता) : साहित्यिक,कलाकार,पुरस्कार प्राप्त व्यक्ति, स्वतंत्रता सेनानी ,उद्योगपति, खिलाडी, कार्यालयीन अधिकारी ।

संदर्भ ग्रंथ :

1) मानक हिंदी और भाषा - डॉ. भोलानाथ तिवारी
प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।

2) प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम - डॉ. अंबादास देशमुख
शैलजा प्रकाशन, कानपुर

3) हिंदी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप - डॉ. कैलासचंद्र भाटिया
साहित्य भवन प्रा.लि. इलाहाबाद

4) दृश्य - श्रव्य माध्यम लेखन - डॉ. राजेंद मिश्र
तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली -2

5) अनुवाद निरूपण – डॉ. भारती गोरे
विकास प्रकाशन , कानपुर

6) प्रयोजनमूलक हिंदी भाग 2और भाग3- डॉ. उर्मिला पाटील
अतुल प्रकाशन ,कानपुर

7) प्रायोगिक व्याकरण एवं पत्रलेखन - डॉ. गोस्वामी
विद्या प्रकाशन ,कानपुर

* प्रयोजनमूलक हिंदी हेतु मुहावरे एवं शब्दयुग्म नमूना सूची *

* मुहावरों की नमूना सूची :

आग में घी डालना	-	क्रोध को भडकाना
आग लगाना	-	चुगली करना
अक्ल चरने जाना	-	बुध्दि नष्ट हो जाना
उलटी - सीधी सुनाना	-	फटकारना
एक आँख से देखना	-	समान व्यवहार करना
उँट के मुँह में जीरा	-	ज्यादा आवश्यकता वाले को कम देना
कमर टूटना	-	निराश हो जाना
कलई खुलना	-	भेद खुल जाना
खून के घूँट पीना	-	सह लेना , गुस्से को पी जाना

गले का हार बनना	-	अति प्रिय होना
गंगा नहाना	-	निवृत्त होना
घास खोदना	-	व्यर्थ समय बिताना
घर का बोझ उठाना	-	घर बार संभालना
घर सिर पर उठा लेना	-	शोर मचाना
घाट-घाट का पानी पीना	-	जगह - जगह घुमना
घोडे बेचकर सोना	-	बेफिक्र हो जाना
चाँद पर धूल उडाना	-	निर्दोष व्यक्ति में दोष निकालना
चिराग लेकर ढूँढना	-	तलाश करना
छक्के छुडाना	-	पराजित करना
छोटा मुँह बडी बात करना	-	हैसियत से बडी बात करना
जबान में लगाम न होना	-	उलटा - सीधा बकना
जान से हाथ धोना	-	जान गवाना
झक मारना	-	व्यर्थ में समय गवाना
टाँग अडाना	-	बाधा डालना
टका-सा जबाब देना	-	साफ इंकार करना
ढाक के तीन पात	-	जैसे के तैसे
तारे गिनना	-	नींद न आना
दिन काटना	-	समय बिताना
पट्टी पढाना	-	बहकाना
बालू की भीत जमाना	-	असंभव की आशा करना
भीगी बिल्ली बनना	-	चुपचाप रहना
विष उगलना	-	किसी के विरूध्द अनाप-शनाप कहना
आस्थिन का साँप	-	विश्वासघाती
आसमान टूटना	-	विपत्ति में पडना
खिचडी पकाना	-	गुप्त रूप से कार्य करना
गाजर - मूली समझना	-	अत्यंत शक्तिहीन समझना
टेढी खीर	-	कठिन कार्य
दाँत खट्टे करना	-	पराजित करना
दाल न गलना	-	कार्य न बनना
नाक रगडना	-	गिडगिडाना

पासा पलटना	-	परिस्थिति बदलना
बगल झाँकना	-	उत्तर न देना
भण्डा फूटना	-	भेद खुलना
मुँह फुलाना	-	असंतुष्ट होना , नाराज होना
रंग में भंग	-	आनंद में विघ्न
लट्टू होना	-	मुग्ध होना
हाथ मलना	-	पछताना
हवाई किले बनाना	-	निराधार बातें सोचना
अंधे की लकडी	-	एकमात्र सहारा
आँखों से गिरना	-	आदर घटना

* अर्थ भेदाकारी युग्मशब्द नमूना सूची :

अनल	-	आग	अनिल	-	हवा
ईशा	-	ऐश्वर्य	ईषा	-	हल की लंबी लकडी
उपल	-	पत्थर	उत्पल	-	कमल
कंगाल	-	गरीब	कंकाल	-	ठठरी,हड्डियों का ढाँचा
दिन	-	दिवस	दीन	-	गरीब
कुल	-	वंश	कूल	-	किनारा
खासी	-	अच्छी	खाँसी	-	एक रोग
गाडी	-	वाहन	गाढी	-	गहरी
गृह	-	घर	ग्रह	-	नक्षत्र
चिर	-	पुराना	चीर	-	कपडा
छत्र	-	छाता	छात्र	-	विद्यार्थी
जलद	-	बादल	जलज	-	कमल
तरंग	-	लहर	तुरंग	-	घोडा
तोश	-	हिंसा	तोष	-	संतोष
दिवा	-	दिन	दीवा	-	दीपक
निशाचर	-	राक्षस	निशाकर	-	चंद्रमा
नीर	-	जल	नीड	-	घोसला
परीक्षा	-	इम्तिहान	परिक्षा	-	कीचड
पानी	-	जल	पाणि	-	कर
बहु	-	बहुत	बहू	-	पुत्रवधू

रंक	-	दरिद्र	रंग	-	वर्ण
शर	-	बाण	सर	-	सरोवर
सदेह	-	देह के साथ	संदेह	-	शक
स्वेद	-	पसीना	श्वेत	-	सफेद
हरि	-	विष्णु	हरी	-	हरे रंग की
आदि	-	आरंभ / इत्यादि	आदी	-	कोई कार्य बारबार करना
अली	-	सखी	अलि	-	भौंरा
अवधि	-	समय	अवधी	-	हिंदी की बोली
अभिराम	-	सुंदर	अविराम	-	निरंतर
अनिष्ठ	-	निष्ठाहिन	अनिष्ट	-	हानि, बुराई
कपि	-	बंदर	कपी	-	घिरनी
चिता	-	शमशान की चिता	चीता	-	एक वन्य जीव
कंजर	-	नीच पुरूष	कुंजर	-	हाथी
तरणी	-	नौका	तरूणी	-	युवा स्त्री
देव	-	देवता	दैव	-	भाग्य

द्वितीय वर्ष कला – हिंदी विशेष -1 (S-I)

काव्यशास्त्र

उद्देश्य :

1) काव्यशास्त्र का सामान्य परिचय कराना ।
2) काव्य एवं गद्य की विधाओं से परिचित कराना ।
3) शब्दशक्तियों का परिचय कराना ।
4) छंद , अलंकार एवं रसों का परिचय कराना ।
5) आलोचना की क्षमता विकसित कराना ।

पाठ्यक्रम :

1) काव्य तथा साहित्य की परिभाषाएँ - संस्कृत, अंग्रेजी तथा हिंदी की प्रचलित परिभाषाओं की व्याख्या ।

2) क) काव्य के हेतु ।

   ख) काव्य के प्रयोजन (भारतीय एवं पाश्चात्य)

   (सूक्ष्म अध्ययन अपेक्षित नहीं)

3) काव्य के तत्त्व - भावतत्त्व, बुध्दितत्त्व, कल्पनातत्त्व एवं शैलीतत्त्व

4) काव्य के भेद :

   अ) भेद का आधार - श्रवणीयता एवं दृश्यात्मकता ।

   आ) प्रबंधकाव्य : महाकाव्य एवं खंडकाव्य ।

   मुक्तक काव्य : गीतिकाव्य, गजल (स्वरूप एवं अंग)।

   मुक्तक एवं प्रबंध काव्य में अंतर ।

5) शब्दशक्ति - अभिधा , लक्षणा और व्यंजना का सामान्य परिचय

   (उपभेदों का अध्ययन अपेक्षित नहीं)

6) अलंकार -

   अ) काव्य में अलंकारो का स्थान

   आ) निम्नलिखित अलंकारो का सोदाहरण परिचय

   1) अनुप्रास 2) यमक 3) श्लेष 4) उपमा 5) दृष्टांत

   6) विरोधाभास 7) अतिशयोक्ति 8) संदेह 9) भ्रांतिमान 10) उदाहरण

7) गद्य के भेद –

   अ) उपन्यास , कहानी एवं नाटक

   (स्वरूप एवं तत्त्वों का विस्तृत परिचय ।)

आ) एकांकी,निबंध,संस्मरण,रेखाचित्र,आत्मकथा,जीवनी,दूरदर्शन नाटक,रेडिओ नाटक ।

(स्वरूप एवं तत्त्वों का सामान्य परिचय ।)

8) रस - शृंगार,करूण,वीर एवं शांत रस का सोदाहरण परिचय ।

9) आलोचना - स्वरूप, आवश्यकता एवं आलोचक के गुण ।

(आलोचना के प्रकार अपेक्षित नहीं ।)

10) छंद - अ) छंद का काव्य में स्थान ।

आ) निम्नलिखित छंदो का सोदाहरण परिचय

मात्रिक छंद-दोहा चौपाई,सोरठा,रोला हरिगीतिका ।

वार्णिक छंद- इंद्रवज्रा,शिखरिणी, भुजंगप्रयात वसंततीलिका, कवित्त ।

संदर्भ ग्रंथ :

1)	साहित्य विवेचन	-	क्षेमचंद्र सुमन, योगेन्द्रकुमार मलिक
2)	काव्यशास्त्रःविविध आयाम	-	सं. डॉ. मधु खराटे
3)	काव्यशास्त्र	-	डॉ.भगिरथ मिश्र
4)	काव्य प्रदीप	-	कन्हैयालाल पोद्दार
5)	साहित्यशास्त्र	-	डॉ.चंद्रभानु सोनवणे
6)	साठोत्तरी हिंदी गजल	-	डॉ. मधु खराटे

द्वितीय वर्ष कला – हिंदी विशेष - 2 (S-II)

उपन्यास , नाटक, एवं व्यंग्य

उद्देश्य :

1) उपन्यास विधा की विशेषताओं से परिचय कराना ।
2) नाटक विधा की विशेषताओं से परिचय कराना ।
3) व्यंग्य विधा की विशेषताओं से परिचय कराना ।
4) उपन्यास,नाटक एवं व्यंग्य के माध्यम से संवेदना जगाना।
5) उपन्यास,नाटक एवं व्यंग्य के माध्यम से मानवी मूल्यों के प्रति आस्था निर्माण कराना ।

पाठ्यपुस्तके :

1) उपन्यास : दीवार में एक खिडकी रहती थी – विनोदकुमार शुक्ल
वाणी प्रकाशन , 21-ए , दरियागंज, नई दिल्ली -2
2) नाटक : महाभोज - मन्नू भंडारी
राधाकृष्ण प्रकाशन , जी -17, जगतपुरी , दिल्ली - 51
3) व्यंग्य : प्रतिनिधि व्यंग्य - हरिशंकर परसाई
राजकमल प्रकाशन,1-बी,नेताजी सुभाष मार्ग,नई दिल्ली - 02

(इस संकलन से निम्नलिखित पाँच व्यंग्य अध्ययनार्थ निर्धारित किये गये है - पहिला सफेद्द बाल , एक मध्यमवर्गीय कुत्ता, पगडण्डियों का जमाना, विकलांग श्रध्दा का दौर तथा ठिठुरता हुआ गणतंत्र । इन पाठों पर ससंदर्भ व्याख्या का प्रश्न नही पूछा जायेगा ।)

द्वितीय वर्ष कला – हिंदी

प्रश्नपत्र का स्वरूप एवं अंक विभाजन

हिंदी सामान्य (G-2)

समय : तीन घंटे | कुल अंक 80

प्र.क्र. 1)	प्रतिनिधि कहानियों पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा प्रतिनिधि कहानियों पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 2)	‘ शबरी ’ खंडकाव्य पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न अथवा ‘ शबरी ’ खंडकाव्य पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)	12
प्र. क्र. 3)	अ) ससंदर्भ व्याख्या	
	1 प्रतिनिधि कहानियों पर आधारित 3 अवतरणों में से 2 की व्याख्या	08
	2 ‘ शबरी ’ पर आधारित 3 अवतरणों में से 2 की व्याख्या	08
	आ) टिप्पणियाँ प्रतिनिधि कहानियों पर एक तथा शबरी पर एक टिप्पणी	08
प्र. क्र. 4)	अ) समानार्थी तथा विलोमार्थी शब्द दीजिए चार समानार्थी एवं चार विलोमार्थी शब्द पूछे जायेंगे । सभी शब्दों के उत्तर अपेक्षित है ।	08
	आ) केन्द्रीय हिंदी निदेशालय की वर्तनी की नियमावली पर आधारित वाक्य शुध्दिकरण । आठ वाक्य दिये जायेंगे उन सभी का शुध्दिकरण आवश्यक है ।	08
प्र. क्र. 5)	अ) पत्रलेखन : शुभकामना पत्र को आवेदन पत्र अथवा के रूप में दिया जायेगा उनमें से कोई एक पत्र तैयार करना अपेक्षित ।	08
	आ) पल्लवन हेतु चार उक्तियाँ दी जायेगी उनमें से किसी एक उक्ति का पल्लवन अपेक्षित ।	08

प्रयोजनमूलक हिंदी

(हिंदी सामान्य G-2 के लिए वैकल्पिक पेपर)

समय : तीन घंटे — कुल अंक 80

प्र. क्र. 1)	दीर्घोत्तरी प्रश्न	16
	अथवा	
	दीर्घोत्तरी प्रश्न	
	(उर्पयुक्त दोंनो प्रश्न हिंदी मानकीकरण के प्रयत्न,स्वरूप, नियमावली, संवैधानिक स्वरूप, कार्यालयीन प्रयोग की समस्याओं से संबंधित होंगे ।)	
प्र.क. 2)	क) फाइलिंग प्रणाली पर एक प्रश्न	08
	ख) कार्यालयीन कार्यव्यवहार पर टिप्पणियाँ (3 में से 2)	08
प्र. क्र. 3)	क) कार्यालयीन पत्रलेखन (2 में से 1)	08
	ख) अनुवाद प्रकिया पर एक प्रश्न	08
प्र. क्र. 4)	संचार एवं मुद्रित माध्यम और हिंदी भाषा पर लघुत्तरी प्रश्न (6 में से 4)	16
प्र. क्र. 5)	क) साक्षात्कार (2 में से 1)	08
	ख) अर्थभेदाकारी शब्दयुग्मों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग (4 में से 2)	04
	ग) मुहावरों का अर्थ देकर वाक्य में प्रयोग (4 में से 2)	04

हिंदी विशेष 1 (S-I)

काव्यशास्त्र

समय : तीन घंटे | कुल अंक 80

प्र. क्र. 1, 2 तथा 3

निर्धारित पाठ्यक्रम में से अलंकार और छंद छोडकर शेष पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न अंतर्गत विकल्प के साथ पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए 16 अंक होंगे ।

प्र. क्र.4)	अ)	अलंकार पर लघुत्तरी प्रश्न	04
	आ)	छंद पर लघुत्तरी प्रश्न	04
	इ)	अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण (2 में से 1)	04
	ई)	छंदो के लक्षण एवं उदाहरण (2 में से 1)	04
प्र. क्र.5)	टिप्पणियाँ लिखिए (6 में से 4)		16
	(टिप्पणियों के विषय छंद एवं अलंकारों को छोडकर होंगे)		

हिंदी विशेष - 2 (S-II)

उपन्यास, नाटक तथा व्यंग्य

समय : तीन घंटे कुल अंक 80

प्र. क्र. 1) उपन्यास पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न 16

अथवा

उपन्यास पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)

प्र. क्र. 2) नाटक पर आधारित दीर्घोत्तरी प्रश्न 16

अथवा

नाटक पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (3 में से 2)

प्र. क्र. 3) टिप्पणियाँ :

अ) उपन्यास पर आधारित (3 में से 2) 08

आ) नाटक पर आधारित (3 में से 2) 08

प्र. क्र. 4) प्रतिनिधि व्यंग्य पर आधारित लघुत्तरी प्रश्न (5 में से 4) 16

प्र. क्र. 5) ससंदर्भ व्याख्या :

अ) उपन्यास पर आधारित (2 में से 1) 08

आ) नाटक पर आधारित (2 में से 1) 08

* समकक्ष विषयों की सूची *

अ.क्र	पुराना पाठ्यक्रम	अ.क्र.	नया पाठ्यक्रम
1	हिंदी सामान्य G-2	1	हिंदी सामान्य G-2
2	प्रयोजनमूलक हिंदी	2	प्रयोजनमूलक हिंदी
3	हिंदी विशेष - 1 (S-I)	3	हिंदी विशेष - 1 (S-I)
4	हिंदी विशेष - 2 (S-II)	4	हिंदी विशेष - 2 (S- II)